

//1//

न्यायालय उपखण्ड अधिकारी नसीराबाद (अजमेर)

पीठासीन अधिकारी : - राकेश कुमार गुप्ता (R.A.S.)  
राजस्व प्रकरण संख्या : - 112/2014

उन्वान

1. सांवरलाल पुत्र गंगाराम,
2. लक्ष्मण पुत्र किशनलाल, जाति जाट नि. मावशिया, नसीराबाद  
— वादीगण :- जरिये अधिवक्ता श्री सीताराम रावत

बनाम

1. राधेश्याम,
2. सीताराम पि. रामरतन, जाति वैष्णव नि. मावशिया, नसीराबाद,
3. रामेश्वर पुत्र रामनारायण, जाति सादू नि. ग्राम मावशिया, नसीराबाद,
4. मैनेजर आई.सी.आई.सी. आई. बैंक नसीराबाद,
5. उप पंजीयक, नसीराबाद,
6. राज. सरकार जरिये तहसीलदार नसीराबाद  
— प्रतिवादीगण :- 1 से 3 जरिये अधिवक्ता श्री सीताराम रावत  
4 अनुपस्थित, 5 व 6 जरिये राजस्व पराकार

वाद पत्र अन्तर्गत धारा 88, 188, 92 अ राजस्व काश्त 0 अधि 0 1955 सपठित धारा 136 भू राजस्व  
नियम 1956



— निर्णय :-

दिनांक :- 23.03.21

अधिवक्ता वादीगण ने उक्त वाद पेश कर निवेदन किया कि ग्राम मावशिया में स्थित  
आराजी मुतनाजा वादीगण की कयशुदा है जिसका वर्णन निम्न प्रकार है :-

| हाल जमावंदी |      | वर्किंग जमावंदी |        |
|-------------|------|-----------------|--------|
| ख0न0        | रकवा | ख0न0            | रकवा   |
| 431         | 4.03 | 1447/1872       | 25-0-0 |

वर्किंग खसरा नम्बर 1447/1872 रकवा 25-0-0 के मूल खातेदार वर्किंग जमावंदी में रामरतन,  
रामेश्वर पि0 रामनारायण जाति सादू के नाम दर्ज है। रामरतन पुत्र रामनारायण द्वारा अपना  
1/2 हिस्सा का विक्रय दिनांक 31.12.82 को केतागण लक्ष्मण पुत्र किशनलाल व सांवरलाल पुत्र  
गंगाराम जाति जाट को बेचान कर मौके पर कब्जा व दखल सौंप दिया था। तब से वादीगण का  
कब्जा उक्त आराजी पर चला आ रहा है। उक्त पंजीकृत विक्रय पत्र की पालना में हाल खसरा  
नम्बर 431 रकवा 4.03 का अधिकार अभिलेख में वादीगण के नाम 1/2 हिस्सा अमल दरानद  
करने के बजाय गैर कानूनी रूप से विक्रेता के वारिस प्रतिवादी संख 1 व 2 के नाम दर्ज कर  
दिया। जिस कारण प्रतिवादीगण उक्त आराजी पर दखलदांजी कर रहे हैं अतः आराजी मुतनाजा

उपखण्ड अधिकारी  
नसीराबाद (अजमेर)



हैमिंक्षर  
तैयार कुनिन्दा

प्रमाणित प्रतिलिपि

सहायक प्रशासनिक अधिकारी  
उपखण्ड कार्यालय  
नसीराबाद



का खातेदार वादीगण को घोषित किया जावे। प्रतिवादीगण को जरिये स्थायी निषेधाज्ञा पारबंद किया जावे। इस आशय की आज्ञापति जारी की जावे।

वाद पत्र दर्ज रजिस्टर कर प्रतिवादीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। प्रतिवादी संख्या 1 से 3 ने जवाब पेश कर निवेदन किया कि आराजी मुतनाजा प्रतिवादीगण की पुश्तैनी है जिसका बैचान जवाबकर्ता के पिता द्वारा कभी नहीं किया गया है। उक्त आराजी पर प्रतिवादीगण कबिज है व उसके द्वारा उक्त आराजी पर बैंक से ऋण लिया है तथा भूमि बैंक के नाम रहन है। वादीगण ने आराजी मुतनाजा हडपने की नियम से उक्त आराजी पर वाद पेश किया है अतः वाद सव्यय खारिज किया जावे। राज0 पैरोकार ने जवाब पेश किया। प्रतिवादी संख्या 4 प्रकरण में अनुपस्थित रहे।

प्रकरण में निम्न तनकियात कायम की गयी :-

1. आया वादग्रस्त आराजी वादीगण की विधिक कयशुदा है ?  
--- वादीगण
2. आया आराजी मुतनाजा का वर्तमान इन्द्राज त्रुटिपूर्ण होने से दुरुस्ती योग्य है ?  
--- वादी
3. आया वादग्रस्त आराजी रहन होने व प्रतिवादीगण के नाम होने से वाद खारिज योग्य है ?  
--- प्रतिवादीगण

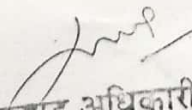
4. अनुतोष ?

अधिवक्ता वादीगण ने वाद के समर्थन में प्रदर्श पी01 से प्रदर्श पी0 5 राजस्व लेख व विकय पत्र पेश किये तथा वादी लक्ष्मण पुत्र किशनलाल तथा गवाह भागचन्द पि0 गोपीदास के बयान दर्ज करवाये।

अधिवक्ता प्रतिवादीगण ने साक्ष्य पेश नहीं करना जाहिर किया। वहस उभयपक्ष सुनी गयी। दौराने वहस विद्वान अधिवक्ता वादीगण ने कथन किया कि आराजी मुतनाजा पर बैंक ऋण की राशि उनके पक्षकार द्वारा अदा कर दी जायेगी।

पत्रावली का अवलोकन किया। विद्वान अधिवक्तागण व राज0 पैरोकार की वहस पर मनन किया। तनकी अनुसार निर्णय निम्नवत् है :-  
तनकी संख्या 1 :-

ग्राम मावशिया के वंकिंग खसरा नम्बर 1447/1872 रकबा 25-0-0 पर नामान्तकरण संख्या 453 दिनांक 24.12.88 आदेश संख्या 6 दिनांक 23.12.1970 के अनुसार के वंकिंग जमाबंदी में रामरतन, रामेश्वर पि0 रामनारायण जाति सादू के नाम आवंटन दर्ज है। नामान्तकरण संख्या 8 दिनांक 13.06.89 द्वारा उक्त आराजी पर गौर खातेदारी से खातेदारी दर्ज हुयी। उक्त आराजी में रामरतन पुत्र रामनारायण द्वारा अपना 1/2 हिस्सा का विकय दिनांक 31.12.82 को क्रेतागण लक्ष्मण पुत्र किशनलाल व सांवरलाल पुत्र गंगाराम जाति जाट को बेचान कर मौके पर कब्जा व दखल सौंप दिया था। वादीगण द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य उक्त आराजी पर वादीगण का कब्जा काश्त ही बताते हैं। प्रतिवादीगण ने उक्त आराजी के विकय को फर्जी सिद्ध करने हेतु कोई साक्ष्य व दस्तावेज पेश नहीं किये हैं। विकय पत्र पंजीकृत है जिसकी सत्यता से इंकार नहीं किया जा सकता है। विकय पत्र को सक्षम न्यायालय में चुनौती नहीं दी गयी है। अतः आराजी मुतनाजा वादीगण की विधिक कयशुदा है तनकी वहक वादीगण निर्णित की जाती है।

  
उपखण्ड अधिकारी  
नसीराबाद (अजमेर)

---3



हस्ताक्षर  
तैयार कुनिन्दा

प्रमाणित प्रतिलिपी  
सहायक प्रशासक अधिकारी  
उपखण्ड कार्यालय  
नसीराबाद

तनकी संख्या 2 :-

तनकी संख्या 1 के विवेचन अनुसार आराजी मुतनाजा वादीगण की विधिक कथशुदा है। 1447/1872 रकबा 25-0-0 पर नामान्तकरण संख्या 453 दिनांक 24.12.88 आदेश संख्या 6 दिनांक 23.12.1970 के अनुसार के वंकिंग जमाबंदी में रामरतन, रामेश्वर पि0 रामनारायण जाति सादू के नाम आवंटन दर्ज है। नामान्तकरण संख्या 8 दिनांक 13.06.89 द्वारा उक्त आराजी पर गैर खातेदारी से खातेदारी दर्ज हुयी। उक्त आराजी में रामरतन पुत्र रामनारायण द्वारा अपना 1/2 हिस्सा का विक्रय दिनांक 31.12.82 को कैतागण लक्ष्मण पुत्र किशनलाल व सांवरलाल पुत्र गंगाराम जाति जाट को बेचान कर गौके पर कब्जा व दखल सौप दिया था। विक्रय पत्र की दिनांक 31.12.82 है जिसके अनुसार विक्रय दिनांक को उक्त आराजी विक्रेता की खातेदारी में नहीं थी। किन्तु बाद में विक्रेता को उक्त आराजी पर खातेदारी अधिकार प्राप्त हो गये थे। आज दिनांक को उक्त आराज विक्रेता के पुत्र के नाम खातेदारी दर्ज है। प्रतिवादी संख्या 1 व 2 के पिता ने उक्त आराजी प्रतिफल राशि प्राप्त कर विक्रय की है। सम्पत्ति अन्तरण अधिनियम की धारा 43 के अनुसार "जहां कि कोई व्यक्ति कपटपूर्वक या भ्रूलक्ष यह व्यपदेश करता है कि वह अमुक स्थावर सम्पत्ति को अन्तरित करने के लिए प्राधिकृत है और ऐसी सम्पत्ति को प्रतिफलार्थ अन्तरित करने की प्रव्यंजना करता है वहां ऐसा अन्तरण अन्तरित के किन्तु पर किसी भी उस हित पर प्रवृत्त होगा जिसे अन्तरक ऐसी सम्पत्ति में उतने समय के दौरान कभी भी अर्जित करे जितने समय तक उस अन्तरण की संविदा अस्तित्व में रहती है। इस प्रकार स्पष्ट है कि यदि आराजी मुतनाजा पर विक्रेता को बाद में भी खातेदारी प्राप्त होते हैं तो उसके द्वारा किया गया विक्रय वैध है। तथा वादीगण वर्तमान त्रुटिपूर्ण इन्द्राज को दुरुस्त करने का अधिकारी हैं। प्रतिवादीगण द्वारा उक्त विक्रय पत्र के विरुद्ध सक्षम न्यायालय में कोई चाराजोही नहीं की है। तनकी बहक वादीगण विरुद्ध प्रतिवादीगण निर्णित की जाती है।

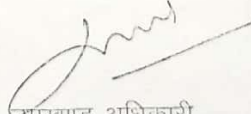
तनकी संख्या 3 :-

आराजी मुतनाजा वादीगण के पिता की विधिक कथशुदा है। पूर्व तनकी के विवेचन अनुसार वादीगण हाल इन्द्राज दुरुस्त करवाने का अधिकारी है। प्रतिवादीगण का कथन है कि उक्त आराजी बैंक के नाम रहन होने से वादीगण उक्त आराजी पर खातेदारी प्राप्ति का अधिकारी नहीं है। किन्तु प्रतिवादी संख्या 1 व 2 के पिता द्वारा उक्त आराजी पूर्व में ही विक्रय कर दी थी। अतः प्रतिवादी संख्या 1 व 2 को उक्त आराजी पर ऋण लेने का अधिकार नहीं है। वादीगण अधिवक्ता ने दौराने बहस कथन किया है कि खसरा नम्बर 431 की आराजी पर ऋण की राशि उसके द्वारा संबंधित बैंक को अदा कर दी जायेगी। ऐसी स्थिति में जब वादीगण उसके पिता द्वारा कथ की गयी आराजी हाल खसरा नम्बर 431 रकबा 40.03 पर बकाया ऋण चुकाने हेतु सहमत है तो बैंक के हित पर कोई विपरित प्रभाव नहीं पड़ेगा। अतः तनकी बहक वादीगण विरुद्ध प्रतिवादीगण निर्णित की जाती है।

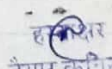
उक्तानुसार ग्राम मावशिया के हाल खसरा नम्बर हाल खसरा नम्बर 431 रकबा 4.03 की आराजी पर वादीगण का वाद "स्वीकार" किया जाता है। उक्त आराजी पर प्रतिवादी संख्या 1 व 2 के स्थान पर वादीगण को खातेदार घोषित किया जाता है। वादीगण द्वारा उक्त आराजी संबंधित बैंक से रहन मुक्त करवाने के बाद तहसीलदार नसीराबाद उक्तानुसार राजस्व अभिलेख में अमल दरामद की कार्यवाही करावे। पक्षकार खर्चा स्वयं वहन करे। इस आशय की पर्ना डिकी जारी हो।

निर्णय सरे इजलास सुनाया गया।

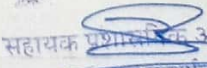


  
उपखण्ड अधिकारी  
नसीराबाद



  
तैयार कुनिन्दा

प्रमाणित प्रतिलिपी

  
सहायक प्रशासक अधिकारी  
उपखण्ड कार्यालय  
नसीराबाद

डिक्री व मुकदमें इत्दाई  
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी नसीराबाद

उपवान

सावरलाल वनाम राधेश्याम

दावा वावत :- 88, 188 राज. का. अधि० 1955 व धारा 136 भू राजस्व अधिनियम 1956

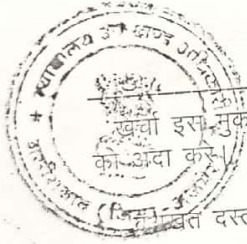
राजस्व मुकदमा नम्बर - 112/2014

पेश करने की दिनांक - 07.07.2014

यह मुकदमा आज चारते इनफिनाल कतई रुवरु राकेश कुमार गुप्ता (आर. ए. एस)-व हाजिर अभिभाषक सीताराम रावत मुददई हीरालाल माली व राज० पैरोकार अभिभाषक गिनजाभिन मुदायला पेश हो कर दिया जाता है व डिक्री दी जाती है कि :-

ग्राम मावशिया के हाल खसरा नम्बर हाल खसरा नम्बर 431 रकबा 4.03 की आराजी पर वादीगण का वाद "स्वीकार" किया जाता है। उक्त आराजी पर प्रतिवादी संख्या 1 व 2 के स्थान पर वादीगण को खातेदार घोषित किया जाता है। वादीगण द्वारा उक्त आराजी संबधित बैंक से रहन मुक्त करवाने के बाद तहसीलदार नसीराबाद उक्तानुसार राजस्व अभिलेख में अमल दरामद की कार्यवाही करावे। पक्षकार खर्चा स्वयं वहन करे।

उपखण्ड अधिकारी:  
नसीराबाद



खर्चा इस मुकदमें में मय सूद व शरह तक को सालाना आज की तारीख से यानि वसूली तक को अदा करे।

उक्त दस्तखत व मोहर अदालत के आज दिनांक 30 माह 09 सन् 2021 को जारी की गयी।

| मुददई   | मुदायला  |
|---|--|
| स्टाम्प अरजी दावा<br>स्टाम्प वकालतनामा<br>स्टाम्प वजह सबूत<br>मेहनताना वकील<br>फीस कमिश्नर<br>खर्चा गवाहान<br>वावत् इजराय हुवमनामा<br>मुतफरिक | स्टाम्प वकालतनामा<br>स्टाम्प अरजी<br>मेहनताना वकील<br>खर्चा गवाहान<br>फीस कमिश्नर<br>वावत् इजराय हुवमनामा<br>मुतफरिक |
| मिजान   | मिजान  |

उपखण्ड अधिकारी  
नसीराबाद



हस्ताक्षर  
तैयार कुनिन्दा

प्रमाणित प्रतिलिपी  
सहायक प्रशासनिक अधिकारी  
उपखण्ड कार्यालय  
नसीराबाद